युवा प्रभाग - दिव्य दर्पण ग्रुप
अगस्त, 2022 मास के पुरुषार्थ की पॉइंट्स

अगस्त मास का चार्ट:
लक्ष्य - प्यूरिटी की पर्सनालिटी

पवित्रता की पर्सनालिटी वाले मन-बुद्धि से भी किसी विकार को टच नहीं करते. पवित्रता की पर्सनालिटी अर्थात हर कर्म में महानता और विशेषता. पर्सनालिटी अर्थात सदा स्वयं की व औरों की सेवा में सदा बिजी रहना अर्थात अपनी एनर्जी, समय, संकल्प waste नहीं गंवाना, सफल करना. पर्सनालिटी वाले कभी भी छोटी-छोटी बातों में अपने मन-बुद्धि को बिजी नहीं रखते. अपवित्र बातों को सुनते हुए नहीं सुने, देखते हुए नहीं देखें.

तो आईये, हम प्यूरिटी की पर्सनालिटी को धारण कर अपनी सूरत और सीरत से बाबा को प्रत्यक्ष करें.

सप्ताह	**दिव्य दर्पण का पुरूषार्थ**
पहला	निर्विकारी कर्म
दूसरा	निर्विकारी बोल
तीसरा	निर्विकारी दृष्टि
चौथा	निर्विकारी वृत्ति

हर सप्ताह में जो लक्ष्य दिया है उसका अभ्यास एवं चिंतन करना है. उस पर कम से कम 10 लाइन्स में अनुभव लिखना है. रोज रात को चेक करना है कि कितना % प्यूरिटी की पर्सनालिटी रही.

- विशेष Activity: मास के हर रविवार को सभी युवा एवं दिव्य दर्पण चार्ट भरने वाले भाई-बहनों का वर्कशॉप रखें. जिसमें ग्रुप बनाकर उन्हें निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार विमर्श कराएं: (एक रविवार का सेम्पल)

1. प्यूरिटी की पर्सनालिटी अर्थात् क्या?
2. प्यूरिटी की पर्सनालिटी के लिए कौनसी धारणाएं चाहिए?
3. प्यूरिटी की पर्सनालिटी से प्राप्तियां?
4. Action Plan बनाएं.

❖ फ्रेम बुक में ऊपर चार पंक्तियों में निम्नलिखित बिंदु लिखकर उसका परिणाम प्रतिदिन रात को सोने से पहले लिखें:

1. गुड मॉर्निंग - 3.30 **2.** अमृतवेला-3.30 से 4.45 **3.** व्यायाम/पैदल- हाँ जी **4.** ट्रैफिक कंट्रोल - हाँ जी

5. मुरली क्लास - क्लास में सुनी **6.** अव्यक्त मुरली पढ़ी? - हाँ जी **7.** नुमाशाम का योग - हाँ जी **8.** स्वमान की स्मृति- बहुत अच्छी **9.** प्यूरिटी की पर्सनालिटी - 60% **10.** गुड नाईट - रात्रि - 10.30

❖ इस मास हम विशेष निम्नलिखित दो मर्यादाओं का कंगन बांधेंगे:

1. मन-बुद्धि से किसी भी बुराई को टच नहीं करेंगे.
2. अपनी एनर्जी, समय, संकल्प को सदा सफल करेंगे.

❖ अभ्यास: हर घंटे एक मिनट के लिए पवित्रता के सागर बाबा से पवित्रता की लाइट और माईट प्राप्त कर संसार में फैलानी है.

- दिव्य दर्पण के विशेष अभ्यास के साथ-साथ फ्रेम बुक में आज की मुरली के पश्चात् कम से कम 21 बार आज का स्वमान लिखना है या चिंतन कर 10 पॉइंट्स लिखनी है एवं कोई अनुभव हुआ हो तो वह जरुर लिखें.

सप्ताह	**स्वमान**
पहला	मैं आत्मा पवित्र योगी हूँ.
दूसरा	मैं आत्मा पवित्र फ़रिश्ता हूँ.
तीसरा	मैं आत्मा पवित्र देव/देवी हूँ.
चौथा	मैं आत्मा परम पवित्र हूँ.

Phone No: (079) 26444415, 26460944 Email: bkyouthwing@gmail.com Website: www.bkyouth.org